जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

08 अप्रैल 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जेएमआई में दो दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक संपन्न

कोविड-19 महामारी से पेश आ रही चुनौतियों का सामना करने और विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) की कुलपति प्रो नजमा दअख्तर ने दो दिवसीय (6 और 7 अप्रैल, 2020) ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की कल्पना की, जिसका मकसद फैकल्टी सदस्यों की ऑनलइन टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस प्रक्रिया की क्षमता को और अधिक विकसित करना था। इस विचार को और ठोस रूप देने के लिए जेएमआई के सेंटर फार मैनेजमेंट स्टडीज़ और एआईयू के पूर्व महासचिव के प्रो फ़ुरकान क़मर के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम बनाई गई।

अपनी किस्म के ऐसे पहले प्रोग्राम के प्रति जेएमआई फैकल्टी सदस्यों की तरफ से अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। इस प्रोग्राम के सत्रों में हिस्सा लेने के लिए 450 डीन, केंद्रों के निदेशकों, विभागों के प्रमुखों, प्रोफेसरों, एसोसिएट और सहायक प्रोफेसरों ने अपना पंजीकरण कराया था लेकिन क्षमता की कमी की वजह से 200 फैकल्टी सदस्यों को ही आमंत्रित किया गया।

यह प्रोग्राम पूरी तरह से एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किया गया। सभी प्रतिभागियों और रिसोर्स पर्सन ने अपने-अपने घरों से बातचीत की। अनुभव साझा करने के सत्र के दौरान, प्रोफेसर अख्तर ने सभी प्रतिभागियों के साथ ऑनलाइन बातचीत की। लाकडाउन के दौरान, पढ़ाई में छात्रों की मदद के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उठाए गए इस कदम के प्रति फैकल्टी सदस्यों द्वारा दिखाए गए उत्साह से बहुत वह खुश हैं। उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान छात्रों का समर्थन करने के लिए अपने स्तर पर फैकल्टी सदस्यों द्वारा किए गए प्रयासों को काफी सराहा।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) संबंधित तकनीकी सत्रों में छात्रों की पाठ्यक्रम संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) को अपनाने में सक्षम बनाने के लिए शिक्षकों के बीच उचित कौशल के विकास पर खास ध्यान दिया गया। प्रोग्राम में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) और जेएमआई की लाइब्रेरी पर रिमोट एक्सेस के बारे में एक सत्र आयोजित किया गया।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रो फुरकान क़मर ने की। प्रोग्राम के दौरान, प्रो नजमा अख्तर प्रोत्साहन और प्रेरणा के लिए नियमित रूप से, इसमें हिस्सा ले रहे लोगों से बातचीत करती रहीं।

मौजूदा हालात में अकादमिक निरंतरता बनाए रखने के लिए आईसीटी का सर्वोत्तम उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जेएमआई, सूचना प्रौद्योगिकी के एफटीके-सेंटर के डायरेक्टर डॉ एस काज़िम नकवी ने एक सत्र लिया।

यूनिवर्सिटी के लाइब्रेरियन डॉ तारिक अशरफ ने ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज और जेएमआई रिसोर्सेज़ के रिमोट एक्सेस पर चर्चा की।

प्रोग्राम में हिस्सा लेने वालों में से एक, डॉ शिखा कपूर के अनुसार, "इस प्रोग्राम ने हमें सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए गूगल क्लासरूम, ई-रिसोर्स के उपयोग और जी-सूट के विभिन्न उपकरणों तक पहुंच बनाने और उनका इस्तेमाल करने में हमारी मदद की। गूगलक्लासरूम के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम ने हमें कई प्रकार के गूगल क्लासरूम टूल से परिचित कराया, जिनका उपयोग, कोविड-19 से पैदा मौजूदा मुश्किल समय में दिलचस्प और नए तरह से किया जा सकता है। हमें आनलाइन लर्निंग प्रोसेस सिखाने के लिए, यह विश्वविद्यालय की तरफ से सही समय पर की गई एक बड़ी पहल थी। कार्यक्रम ने हमें न केवल ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग के तरीकों और उपकरणों को सीखने का मौका दिया, बल्कि एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और पढ़ाने से संबंधित हमारी चिंताओं और संदेहों को दूर करने में मदद की।''

प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले अन्य लोगों ने भी जेएमआई कुलपति और उनकी टीम की छात्र हितैषी इस पहल की बहुत सराहना की। उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफार्म के ज़रिए टीचिंग-लर्निंग प्रक्रिया की निरंतरता सुनिश्चित करके राष्ट्र की हर संभव तरीकों से सर्वोत्तम सेवा करने के लिए पूरे संकल्प के साथ काम करने की इच्छा जताई।

शेष बचे जेएमआई फैकल्टी सदस्यों के लिए विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक